सरवन जैसा नही रे सेवक

चार वेध के शास्त्र देख लो ॐ सरेखा नाम नही
सरवन जैसा नही रे सेवक कौसल्या शी माता नहीं

सीता जैसी नहीं सती वो ,लक्समन जैसा जती नही ओ जती नही...
पिता वचन पालन करने में राम सरेखा पुत्र नही...
सरवन जैसा नही रे सेवक कौसल्या शी माता नहीं

बजरग जैसी नही भुजा वो ,अंगद जैसा पाँव नही ओ पाँव नही
तीन त्रैलोकी की अंदर देखो ,भरत सरीखा भाई नही...
सरवन जैसा नही रे सेवक कौसल्या शी माता नहीं

भीषम सरीखी नही प्रतिज्ञा ,करण जैसा दानी नहीं ओ दानी नहीं
तीन त्रैलोकी की अंदर देखो, रावण सरीखा अभिमानी नहीं....
सरवन जैसा नही रे सेवक कौसल्या शी माता नहीं

परसुराम सा परसधारी ,कुम्भकरण शी नींद नहीं ओ नींद नहीं
तीन त्रैलोकी की अंदर देखो नारद सरीखा ज्ञानी नहीं.....
सरवन जैसा नही रे सेवक कौसल्या शी माता नहीं

गाँधी जैसा नही रे महात्मा ,नेहरू जैसा ध्यानी नहीं ओ ध्यानी नहीं...
कहे भक्त सुन भाई साधु,दया सरीखा दान नहीं
सरवन जैसा नही रे सेवक कौसल्या शी माता नहीं

दशरथ पाटीदार
पाटीदार डिजिटल स्टूडियो दारू
मो.9669046049

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/11641/title/sarvan-jaisa-nhi-re-sewak-koshaleya-si-maar-nhi

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |